Get Printed Study Notes for UPSC Exam - https://iasexamportal.com/notes

A–BRL–M–FDPB

अर्थशास्त्र (प्रश्न-पत्र–II)

समय : तीन घण्टे	अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(उत्तर देने के पूर्व निम्नलिखित निर्देशों को कृपया सावधानीपूर्वक पढ़ें)

दो खण्डों में कुल **आठ** प्रश्न दिए गए हैं जो **हिन्दी** एवं **अंग्रेजी** दोनों में छपे हैं।

उम्मीदवार को कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या **1** और **5** अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न चुनकर **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू० सी० ए०) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों की शब्द सीमा, जहाँ उल्लिखित है, को माना जाना चाहिए तथा यदि उत्तर की शब्द सीमा मान्य सीमा से ज्यादा अधिक अथवा ज्यादा कम हो, तो अंकों में कटौती की जा सकती है।

जहाँ आवश्यक हो, आलेख/चित्र उत्तर के लिए दिए गए स्थान में ही दर्शाइए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ECONOMICS (PAPER–II)

Time Allowed : Three Hours	Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. **1** and **5** are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to and if answered in much longer or shorter than the prescribed length, marks may be deducted.

Graphs/illustrations, wherever required, may be drawn/given in the space provided for answering the question itself.

Attempts of questions shall be counted in chronological order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

Download FREE UPSC E-BOOKS FREE! CLICK HERE

Get Printed Study Notes for UPSC Exam - https://iasexamportal.com/notes

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) दादाभाई नौरोजी द्वारा विकसित 'अपवाह थियोरी' पर लिखिए। भारत में ब्रितानी शासन के दौरान प्रतिपालित निर्धनता को यह थियोरी किस प्रकार स्पष्ट करती है?

Write on 'Drain Theory' as developed by Dadabhai Naoraji. How does it explain sustained poverty during the British Rule in India?

(b) मिश्रित अर्थव्यवस्था अबंध पूँजीवाद और संसाधनों के समाजवादी राजकीय नियंत्रण के बीच मध्यमार्ग का एक परिणाम है। सविस्तार स्पष्ट कीजिए। इसके प्रमुख लक्षणों का उल्लेख कीजिए।

Mixed economy is an outcome of the compromise between laissez-faire capitalism and socialist state control of resources. Elaborate. Mention its salient features.

(c) महालानोबिस मॉडल के आधारिक अभिलक्षणों का कथन कीजिए।

State the basic features of Mahalanobis model.

(d) स्वतंत्रता और निर्धनता को अ-स्वतंत्रताओं के रूप में विकास को ए० के० सेन किस प्रकार देखते हैं? उनके द्वारा निर्धनता के पाँच आयामों के वृत्तांत का उल्लेख कीजिए।

How is development looked upon by A. K. Sen in terms of freedom and poverty as unfreedoms? Point out his narration of five dimensions of poverty.

(e) भारत में भूमि सुधारों के क्या-क्या घटक हैं? क्या उनको संपूरित किया जा चुका है? यदि नहीं, तो बाधाएँ क्या हैं?

What are the components of Land Reforms in India? Has it been completed? If not, then what are the obstacles?

2. *(a)* "अल्पविकसित मुद्रा और पूँजी बाज़ार भारत में धीमी आर्थिक संवृद्धि का एक प्रमुख कारण रहा है।" इस कथन के प्रकाश में, भारत की अर्थव्यवस्था में वित्तीय क्षेत्रक बनाम यथार्थ क्षेत्रक (रीयल सेक्टर) का आपेक्षिक महत्त्व प्रस्तुत कीजिए।

"An underdeveloped money and capital market has been a major cause of slow economic growth in India." In the light of this statement, give relative importance of financial sector vis-à-vis real sector in Indian economy. 25

(b) "एक ओर वित्त और दूसरी ओर राजनीति तथा प्रशासन के बीच निकट संयोजन, और फिर दूसरे के पहले पर प्रभाव से बचा नहीं जा सकता है। यह बात भारत में और भी अधिक सच है।" क्या आप सी० एन० वकील के इस कथन से सहमत हैं? क्या यह बात आज भी प्रासंगिक है?

"A close connection between the finance on the one hand, and politics and administration on the other hand, and the influence of the latter on the former cannot be avoided. This is all the more true in India." Do you agree with this statement of C. N. Vakil? Is it relevant even today? 25

3. *(a)* औद्योगिक नीति, 1956 के द्वारा रचित औद्योगिक विकास कार्यावली ने भारतीय अर्थव्यवस्था को एक कृषीय अर्थव्यवस्था से एक औद्योगिक अर्थव्यवस्था में, काफी हद तक, रूपांतरित कर दिया था। सविस्तार सुस्पष्ट कीजिए। 1990 से पहले की अवधि के दौरान, संवृद्धि की क्षेत्रकवार रचना का संक्षेप में कथन कीजिए।

The industrial development agenda framed by the Industrial Policy, 1956 transformed the Indian economy substantially from an agricultural to an industrial economy. Elucidate. State in brief sectoral composition of growth during the period before 1990. 25

Download FREE UPSC E-BOOKS FREE! CLICK HERE

Get Printed Study Notes for UPSC Exam - https://iasexamportal.com/notes

(b) 'परम' और 'आपेक्षिक' निर्धनता का किस प्रकार मापन किया जाता है? इसमें किस परिष्करण का सुझाव अमर्त्य सेन ने दिया है? निर्धनता मापन के क्षेत्र में हाल की प्रगतियाँ क्या-क्या हैं? चर्चा कीजिए।

How are 'absolute' and 'relative' poverty measured? What modification in it has been suggested by Amartya Sen? What are the recent advances in the area of poverty measurement? Discuss. 25

4. (a) ग्रामीण क्षेत्रक का रूपांतरण आर्थिक विकास की कुंजी है, क्योंकि वह भारत की जनसंख्या के दो-तिहाई का प्रतिपालन करता है। इस रूपांतरण में, भौतिक संयोजकता, इलेक्ट्रॉनिक संयोजकता और ज्ञान संयोजकता किस प्रकार से सहायक हो सकती हैं? सहलग्नताओं को स्पष्ट कीजिए।

Transformation of rural sector is key to economic development as it sustains two-thirds of Indian population. How physical connectivity, electronic connectivity and knowledge connectivity may be helpful in this transformation? Explain the linkages. 25

(b) भारत में, स्फीति शुद्ध रूप से मौद्रिक परिघटना नहीं है और अतएव उसको नियंत्रित करने की रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति की गुंजाइश सीमित ही है। चर्चा कीजिए।

Inflation is not a purely monetary phenomenon in India and hence the scope of monetary policy of the RBI to contain it is limited. Discuss. 25

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग *150* शब्दों में दीजिए :

Answer the following questions in about *150* words each : 10×5=50

(a) क्या आप सहमत हैं कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (NFSM) के अधीन फोकसित और लक्ष्योन्मुखी प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेप ने अपने प्रारम्भ से ही महत्त्वपूर्ण प्रभाव पैदा किया है? अपने उत्तर को उचित सिद्ध कीजिए।

Do you agree that focussed and target-oriented technological interventions under National Food Security Mission (NFSM) have made significant impact since its inception? Justify.

(b) ''आंशिक पूँजी लेखा परिवर्तनीयता भारतीय अर्थव्यवस्था को वैश्विक अर्थव्यवस्था से एकीकृत करने के प्रयोजन को नहीं साध सकती है।'' समालोचनापूर्वक विश्लेषण कीजिए।

"Partial capital account convertibility cannot serve the purpose of integrating Indian economy with global economy." Analyse critically.

(c) विदेश व्यापार नीति, 2009–2014 में निर्यातों को बढ़ावा देने हेतु, बाज़ार विविधीकरण और प्रौद्योगिकीय कोटि-उन्नयन के लिए कौन-सी कुंजी पहले प्रस्तावित हैं?

What are the key initiatives proposed in Foreign Trade Policy, 2009–2014 for market diversification and technological upgradation to give a boost to exports?

(d) भारत की अर्थव्यवस्था में, 'विकास का द्विभाजन' और 'नगरीय अभिनति' पर लिखिए।

Write on 'dichotomy of development' and 'urban-bias' in Indian economy.

(e) 'चिर-संगी पूँजीवाद' किसे कहते हैं? यह आर्थिक और सामाजिक न्याय मुद्दों से किस प्रकार समझौता करता है? स्पष्ट कीजिए।

What is 'Crony Capitalism'? How it compromises economic and social justice issues? Explain.

Download FREE UPSC E-BOOKS FREE! CLICK HERE

Get Printed Study Notes for UPSC Exam - https://iasexamportal.com/notes

6. *(a)* भारत सरकार की विनिवेशन की वर्तमान नीति क्या है? उसको फलदायी बनाने के लिए उसमें क्या-क्या आशोधन किए जा सकते हैं?

What is the present policy of disinvestment of the Government of India? What modifications can be introduced in order to make it fruit-bearing? 25

(b) प्रत्यक्ष-कर कोड विधेयक, 2010 के प्रमुख उद्देश्य क्या हैं? क्या यह वर्धित कर राजस्व का सृजन करने में प्रभावी होगा?

What are the major objectives of the Direct Taxes Code Bill, 2010? Will it be effective in generating enhanced tax revenues? 25

7. *(a)* "भारतीय योजनाकरण संरचना और तंत्र अभी भी अधिकांशतः योजनाकरण की केन्द्रीयकृत प्रकृति के पक्ष में बना हुआ है। 73वें और 74वें सांविधानिक संशोधन भारतीय योजनाकरण प्रक्रम की प्रकृति में, यथार्थ में, शायद ही कोई परिवर्तन लाए हैं।" इस कथन का समालोचनापूर्वक मूल्यांकन कीजिए।

"Indian planning structure and system still remains largely in favour of a centralised nature of planning. The 73rd and 74th Constitutional Amendments have hardly brought about any change in reality in the nature of Indian planning process." Critically evaluate this statement. 25

(b) पिछले दो दशकों के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में तृतीयक क्षेत्रक की त्वरित संवृद्धि ने बहुविध चुनौतियाँ पेश कर दी है। चर्चा कीजिए।

Accelerated growth of tertiary sector during the past two decades in Indian economy has posed multiple challenges. Discuss. 25

8. *(a)* "उद्यम की अपरिवर्ती धारा पर बुलबुलों की भाँति, हो सकता है कि सट्टेबाज कोई नुकसान न करे, परन्तु स्थिति उस समय गंभीर हो जाती है जब उद्यम सट्टे के भँवर पर बुलबुला बन जाता है। जब किसी देश का पूँजी विकास कसीनो के कार्यकलापों का एक उपोत्पाद बन जाता है, तब संभावना होती है कि कार्य बरबाद हो जाय।" वैश्विक वित्तीय संकट और भारत की अर्थव्यवस्था पर उसके प्रभाव के संदर्भ में इस बात को स्पष्ट कीजिए।

"Speculators may do no harm as bubbles on a steady stream of enterprise, but the position is serious when enterprise becomes the bubble on whirlpool of speculation. When capital development of a country becomes a by-product of the activities of a casino, the job is likely to be undone." Explain in the context of global financial crisis and its impact on Indian economy. 25

(b) उदारीकरण के पश्चात्, भारत में रोज़गार के ढाँचे में आए परिवर्तनों के कारण बताइए। अर्थव्यवस्था के 'अनौपचारिक' क्षेत्रक में रोज़गार सुरक्षा के लिए आपके क्या सुझाव हैं? चर्चा कीजिए।

Account for the changes in the employment pattern in India after liberalization. What are your suggestions for employment security in the 'informal' sector of the economy? Discuss. 25

★★★

Download FREE UPSC E-BOOKS FREE! CLICK HERE